

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा		कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. प्रथम प्रश्न पत्र	वर्ष : प्रथम सत्र : 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी साहित्य का इतिहास	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रीय पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. विद्यार्थी हिंदी के प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों उनके काव्य से परिचित हो सकेंगे। 2. आदिकालीन काव्य अपभ्रंश के अवदान को समेटें हैं। मध्यकालीन काव्य लोकमंगल के स्वर साधता है। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। विद्यार्थी इन सभी से परिचित हो पाएंगे। 3. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास से परिचित हो सकेंगे और भाषा के विकास को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40
भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-		90 (व्याख्यान+ गतिविधि)	
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. = 90 (01घंटा/व्याख्यान)	
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य: अंतःसंबंध एवं प्रभाव साहित्य के इतिहास लेखन एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा: प्रमुख हिंदी इतिहासकार एवं इतिहास ग्रंथ हिंदी साहित्य: इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण गतिविधि – शोध आलेख लेखन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
द्वितीय	हिंदी साहित्य का आदिकाल : पृष्ठभूमि, समय सीमा और नामकरण, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि कवि और काव्य एवं उपलब्धियाँ गतिविधि – प्रवाह तालिका, रेखांकन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
तृतीय	भक्तिकाल : पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन, समयावधि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रमुख कवि और उनका साहित्य एवं उपलब्धियाँ गतिविधि – प्रवाह तालिका/रेखांकन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	

8/11/25

8/11/25

8/11/25

8/11/25

8/11/25

चतुर्थ	रीतिकाल : परिस्थितियाँ, कालनिर्धारण व नामकरण, प्रमुख काव्यधारा एवं प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि-कृतियाँ, रीतिकालीन काव्य प्रदेय गतिविधि – समूह चर्चा	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	आधुनिक काल : पृष्ठभूमि, कालनिर्धारण, स्वतंत्रता पूर्व काव्यधाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार, स्वातंत्र्योत्तर काव्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रतिनिधि कवि गद्य साहित्य का उद्भव और विकास तथा विविध गद्य विधाएँ गतिविधि – विचार गोष्ठी, प्रश्न मंच	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सार बिंदु (Keywords/Tags): हिंदी साहित्य का इतिहास, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिककाल

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, नई दिल्ली, हरिद्वार
2. हिंदी साहित्य का इतिहास सं. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. साहित्य का इतिहास दर्शन नलिन विलोचन शर्मा, अनन्य प्रकाशन
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
5. मध्यकालीन बोध का स्वरूप – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
6. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
7. हिंदी साहित्य का अतीत- विश्वनाथ प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन
8. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
10. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - बाबू गुलाब राय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल
11. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैक स्वान
12. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कडेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
13. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिनक

<https://books.google.com>

<https://egyankosh.ac.in>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ

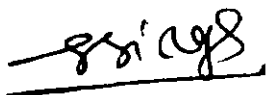
अधिकतम अंक : 100

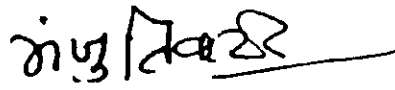
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40

विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60

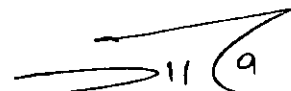
आंतरिक मूल्यांकन :	क्लास टेस्ट	20
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20 = 40











आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		

8/11/18

प. ड.

मं.पु. नि.व.र.

र.म.

11/18

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा		कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. द्वितीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रीय पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य से परिचित होंगे और भाषा के विकास को समझ पाएंगे। 2. विद्यापति, कबीर एवं जायसी की रचनाओं का अध्ययन करके जीवन के साथ उनके साम्य स्थापित कर पाएंगे। 3. निर्गुण धारा से सगुण धारा तक के साहित्य का अध्ययन करके तुलसी आदि के साहित्य की आज के समय में प्रासंगिकता को समझ पाएंगे। 4. मध्यकालीन काव्य से उत्तर मध्यकाल तक आने में भाषा में आये परिवर्तन को समझ पाएंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40
भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-		90 (व्याख्यान+गतिविधि)	
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01घंटा/व्याख्यान)	
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन व मध्यकालीन काव्य की पृष्ठभूमि साहित्यिक प्रवृत्तियाँ (राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक) एवं काव्यधाराएँ गतिविधि – प्रवाह तालिका	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
द्वितीय	चंदबरदाई -पृथ्वीराजरासो (शशिब्रता विवाह प्रसंग) विद्यापति- पदावली (प्रारंभिक दस पद) सं. शिवप्रसाद सिंह, लोक भारती प्रकाशन (व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) गतिविधि – प्रवाह तालिका, रेखांकन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
तृतीय	भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा कबीर की साखी गुरुदेव को अंग (प्रारंभिक दस साखी), बिरह को अंग (प्रारंभिक दस साखी)- कबीर ग्रंथावली सं. डॉ. श्याम सुंदर दास	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	

	जायसी ग्रंथावली – नागमती वियोगखंड (बारहमासा) सं. रामचंद्र शुक्ल (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) गतिविधि – समूह चर्चा, दोहा पाठ	
चतुर्थ	भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्तिकालीन सगुण काव्यधारा तुलसीदास – विनय पत्रिका, गीताप्रेस गोरखपुर, पद संख्या (41, 45, 79, 87, 88, 90, 100, 105, 112, 115) सूरदास – भ्रमर गीत सार (बाल वर्णन-पद संख्या 113, 126, 132, 138, 150) (भ्रमर गीत-पद संख्या 219, 226, 227, 231, 254, 306)- सं. रामचंद्र शुक्ल (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) गतिविधि – शोध आलेख	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	रीतिकालीन काव्यधारा घनानंद कवित्त, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (कवित्त संख्या – 1, 2, 3, 7, 8, 9, 11, 12, 14, 15) बिहारी सत्सई, सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (दोहा संख्या – 5, 8, 11, 21, 29, 33, 34, 37, 41, 43, 55, 66, 72, 75, 78) भूषण- छत्रसाल दशक (पराक्रम वर्णन, रण वर्णन, तलवार वर्णन, तोपखाना वर्णन, प्रताप वर्णन, दान वर्णन) - भूषण ग्रंथावली- सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (व्याख्यात्मक और आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे) गतिविधि – आलेख लेखन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
सार बिंदु (Keywords/Tags): प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, पृथ्वीराजरासो, भक्तिकालीन काव्यधारा		
भाग स –अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री		
1. आदिकालीन हिंदी साहित्य – अध्ययन दिशाएँ : अनिल राय, वाणी प्रकाशन 2. अपभ्रंश साहित्य – हरिवंश कोछड़, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली 3. पृथ्वीराज रासो की भाषा- नामवर सिंह, सरस्वती प्रेस, बनारस 4. विद्यापति-डॉ. शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन 5. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी – बिहार राष्ट्रभाषा परिषद 6. गोस्वामी तुलसीदास: रामचंद्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान 7. तुलसी आधुनिक वातायन से: रमेश कुंतल मेघ -राधाकृष्ण प्रकाशन 8. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन 9. तुलसी काव्य-मीमांसा : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन 10. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल, नई किताब प्रकाशन		

8/8/1988

पु. डी.

गं. पु. ति. व. डी.

पु. डी.

11/6

11. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
12. महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन
13. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, लोक भारती प्रकाशन
14. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
15. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
16. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर
17. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, इलाहाबाद
18. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन
19. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेदमी, इलाहाबाद
20. भूषण ग्रंथावली, मिश्रबंधु, ना० प्र० सभा
21. भूषण-ग्रंथावली, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
22. छत्रसाल दशक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, साहित्य सेवक कार्यालय, वाराणसी
23. भूषण और उनका साहित्य, राजमल बोरा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
24. भूषण-विमर्श, भगीरथी प्रसाद दीक्षित, सरस्वती प्र० सं०, इलाहाबाद
25. महाकवि भूषण, भगीरथी प्रसाद दीक्षित, साहित्य भवन, इलाहाबाद
26. बिहारी सार्धशती : ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस प्रकाशन
27. बिहारी : ओमप्रकाश, राधाकृष्ण प्रकाशन
28. बिहारी की वाग्बिभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी
29. घनानंद काव्य और आलोचना : किशोरी लाल, इलाहाबाद, साहित्य भवन
30. घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना : मनोहर लाल गौड़, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
31. घनानंद : लल्लन राय, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
32. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कडेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
33. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिक

Archive/Digital library

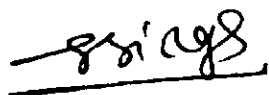
<https://books.google.com>

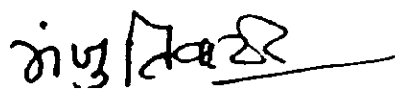
<https://egyankosh.ac.in>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

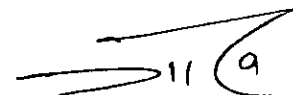
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ		
अधिकतम अंक : 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40		विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60
आंतरिक मूल्यांकन :	क्लास टेस्ट	20
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20= 40



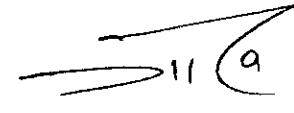








आकलन: विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 03:00 घंटा	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	60
कोई टिप्पणी / सुझाव		


सहायक
 मं. प्र. निदेश
 ज. म. 

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा		कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. तृतीय प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कथा साहित्य	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. विद्यार्थी इस बात से परिचित हो पाएंगे कि मनुष्य के राग-विराग, तर्क-वितर्क, चिंतन-मनन जिस रागात्मकता तथा कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यजित होते हैं, अन्यत्र नहीं। 2. आधुनिक काल में गद्य के विकास को समझ सकेंगे। 3. आधुनिक साहित्य से संबंधित प्रमुख गद्यकारों एवं नाटककारों का अध्ययन करके कथा और शिल्प को जानकर उसके सामाजिक प्रभाव समझ पाएंगे। 4. आधुनिक हिंदी गद्य और उसके इतिहास से परिचित होकर उसके अध्ययन व चिंतन प्रक्रिया के विकास को समझ सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-		90(व्याख्यान+गतिविधि)	
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01 घंटा/व्याख्यान)	
प्रथम	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास यात्रा भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी कहानी : उद्भव और विकास गतिविधि -तालिका, रेखांकन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
द्वितीय	गोदान (उपन्यास) - प्रेमचंद (व्याख्या) प्रेमचंद और 'गोदान' पर समीक्षात्मक प्रश्न गतिविधि - समीक्षा	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
तृतीय	अहिल्याबाई (उपन्यास) - वृंदावनलाल वर्मा (व्याख्या) वृंदावनलाल वर्मा एवं 'अहिल्याबाई' पर समीक्षात्मक प्रश्न गतिविधि - शोध आलेख	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	

8/8/1988

प. ड. ड.

गं. पु. ति. व. ड.

प. ड.

11/6

चतुर्थ	रात का रिपोर्टर (उपन्यास) - निर्मल वर्मा निर्मल वर्मा एवं 'रात का रिपोर्टर' पर समीक्षात्मक प्रश्न गतिविधि - समीक्षा	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	कहानी साहित्य - व्याख्या और समीक्षात्मक प्रश्न एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे मधुआ - जयशंकर प्रसाद हिली बोन की बतखें - अज्ञेय जन्मभूमि - देवेन्द्र सन्यासी ढाई बीघा जमीन - मृदुला सिन्हा गतिविधि - समीक्षा	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
मार बिंदु (Keywords/Tags): हिंदी कहानी, हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद, कहानी साहित्य		
भाग स - अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री 1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन 2. प्रेमचंद : एक साहित्यिक विवेचन: नंदलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन 3. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन 4. कहानी: नयी कहानी: नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन 5. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति: देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन 6. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन 7. नृदावन लाल वर्मा: उपन्यास और कला -शिवकुमार मिश्र, रविप्रकाशन 8. निर्मल वर्मा, सं. अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन 9. निर्मल वर्मा: सृजन और चिंतन-सं. डॉ प्रेमसिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली 10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कडेल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल 11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंग https://books.google.com https://egyankosh.ac.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम		
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		

8/1/198

पु. वि.

गो. पु. वि.

पु. वि.

पु. वि.

આંતરિક મૂલ્યાંકન : સતત વ્યાપક મૂલ્યાંકન (CCE):	ક્લાસ ટેસ્ટ અસાઇનમેન્ટ/ પ્રસ્તુતિકરણ (Presentation)	20 20= 40
આકલન: વિશ્વવિદ્યાલયીન પરીક્ષા સમય : 03:00 ઘંટા	અનુભાગ અ- વસ્તુનિષ્ઠ પ્રશ્ન અનુભાગ બ- લઘુ ઉત્તરીય પ્રશ્ન અનુભાગ સ- લઘુ ઉત્તરીય પ્રશ્ન	60
કોઈ ટિપ્પણી / સુઝાવ		

જાન્યુઆરી

જાન્યુઆરી

જાન્યુઆરી

જાન્યુઆરી

જાન્યુઆરી

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम : एक वर्षीय पी.जी डिप्लोमा		कक्षा : स्नातकोत्तर प्रथम सेमे. चतुर्थ प्रश्न पत्र	वर्ष: प्रथम सत्र: 2025-26
विषय : हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	केंद्रिक पाठ्यक्रम	
4	पूर्वापेक्षा	स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलक्षितियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे 1. विद्यार्थी साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था के सुस्पष्ट व सर्वांगीण ज्ञान से अवगत हो पाएंगे। 2. भाषा और भाषा विज्ञान के अध्ययन से विषय को गहराई से समझ पाएंगे। 3. साहित्य और भाषा विज्ञान के अध्ययन से भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता जान सकेंगे।	
6	क्रेडिट मान	05	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 60+40	न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40
भाग ब - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-		90 (व्याख्यान+गतिविधि)	
इकाई	विषय	व्याख्यान की सं. 90 (01 घंटा/व्याख्यान)	
प्रथम	भाषा की अवधारणा , स्वरूप एवं विशेषताएँ। भाषा विज्ञान: पारिभाषिक संदर्भ, अध्ययन पद्धतियाँ, प्रमुख शाखाएं एवं अन्य ज्ञान शाखाओं से अंतर्संबंध गतिविधि - रेखांकन, तालिका	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	
द्वितीय	आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं एवं उनका वर्गीकरण भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी भाषा का उद्भव, विकास एवं हिंदी की बोलियाँ भाषा के विविध रूप (संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा आदि) देवनागिरी लिपि : विकास और विशेषताएँ। गतिविधि - प्रवाह तालिका	15+3(व्याख्यान+गतिविधि)	
तृतीय	स्वनिम विज्ञान:परिभाषा, स्वनिम का संक्षिप्त इतिहास, वाक्यत्र एवं उसके कार्य, स्वन भेद स्वन परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं गतिविधि - समूह चर्चा	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)	

५.३३

४५/१९४८

गंजु/विक्टर

४५

५१६

चतुर्थ	रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व, अर्थ तत्व, रूपिम व स्वनिम, रूपिमों का वर्गीकरण वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा, संरचना, प्रकार वाक्य परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ गतिविधि - प्रवाह तालिका	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)
पंचम	अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, अर्थ के प्रकार, अर्थ का महत्व शब्द-अर्थ संबंध विवेचन अर्थ परिवर्तन : कारण और दिशाएँ गतिविधि - रेखांकन	15+3 (व्याख्यान+गतिविधि)

सर बिंदु (Keywords/Tags): भाषा, भाषा - विज्ञान, आधुनिक भारतीय आर्यभाषा

भाग स - अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रंथ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री

1. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका- मोतीलाल गुप्त:सं. रघुवीर प्रसाद भटनागर- राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2. भाषाविज्ञान -भोलानाथ तिवारी- किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - कपिलदेव, द्विवेदी- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषाविज्ञान की भूमिका- आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा- राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सामान्य भाषाविज्ञान -बाबूराम सक्सेना-हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
6. भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिंदी भाषा- दवारिका प्रसादसक्सेना- मीनाक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन
8. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद
10. भारतीय ज्ञान परंपरा - सं. अशोक कडेल , मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
11. संवाद और हस्तक्षेप खंड 27 भारतीय ज्ञान परंपरा, सं. कैलाशचंद्र पंत, मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, भोपाल
12. सामान्य भाषाविज्ञान : वैश्रा नारंग, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली
13. ध्वनिविज्ञान : गोलोक बिहारी ढल, प्रेम बुक डिपो आगरा
14. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान : रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन
15. आधुनिक भाषा विज्ञान-डॉ. विवेक शंकर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म/वेबलिंग

E library

Archive Books

<https://books.google.com>

<https://egyankosh.ac.in>

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम

8/1/2018

पु. वि.

गोपु. वि.

पु. वि.

पु. वि.

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां		
अधिकतम अंक : 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन अंक : 40 विश्वविद्यालय परीक्षा (UE): 60		
आंतरिक मूल्यांकन :	क्लास टेस्ट	20
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (Presentation)	20= 40
आकलन:	अनुभाग अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न	60
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	अनुभाग ब- लघु उत्तरीय प्रश्न	
समय : 03:00 घंटा	अनुभाग स- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	
कोई टिप्पणी / सुझाव		

8/8/198

पु. उ.

गोपु. तिवारी

रम

5/1/9